SHRI GURU RAM RAI UNIVERSITY

[Estd. by Govt. of Uttarakhand, vide Shri Guru Ram Rai University Act no. 03 of 2017 & recognized by UGC u/s 2(f) of UGC Act 1956]

SYLLABUS FOR

Master of Arts

Under CBSC/ECS Pattern

School of S.H.S.S

Department of Hindi

Effective from Academic Session (2021-2022)

Shri Guru Ram Rai University, Patel Nagar, Dehradun-248001,

Uttarakhand, India

OUTCOME BASED EDUCATION

Programme outcome (POs)
Students will be able to:

PO1. अनुशासनात्मक ज्ञान- छात्र तथ्यों, सिद्धांतों और मौलिक अवधारणाओं के माध्यम से सामाजिक विज्ञान, साहित्य और मानविकी के क्षेत्र में ज्ञान और समझ प्राप्त करते हैं। यह वैश्विक के साथसाथ क्षेत्रीय ज्ञान को भी बढ़ाएगा-।
PO .2आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान- छात्र सामाजिक मुद्दों और समस्याओं की पहचान और विश्लेषण करने और बेहतर परिणाम के लिए सुधार का सुझाव देने के लिए महत्वपूर्ण और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करेंगे। यह छात्रों को एक बहु-अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष-अनुशासनात्मक और अंतर्य प्रदान करता है और उन्हें मौजूदा नीतियों का विश्लेषण और आलोचना करने और नवीन समाधानों का पता लगाने में सक्षम बनाता है।
PO.3जांच- छात्र अनुभवजन्य साक्ष्य के आधार पर डेटा का विश्लेषण और मूल्यांकन करेंगे और जांच के वैज्ञानिक दृष्टिकोण के बाद प्रथाओं, नीतियों और सिद्धांतों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करेंगे।
PO4. समूह अध्ययन - छात्र व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से स्वतंत्र व्यक्तिगत सीखने और सहयोगी टीम सीखने को सीखेंगे जो उद्योग के साथ बातचीत करने और व्यावहारिक अनुभव हासिल करने के लिए वीडियो अवसर प्रदान करते हैं।
PO5.संचार कौशल- छात्र विभिन्न संचार और प्रस्तुति कौशल विकसित करेंगे जो बड़पैमाने पर समुदाय और समाज के साथ विचारों और विचारों को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद करेंगे।
PO.6व्यावसायिकता - छात्र आत्मविश्वासी होंगे और उन कौशलों से लैस होंगे जो एक वैश्विक कार्यस्थल में आत्मप्रबंधन-, रोजगार, उद्यमिता, पेशेवर अखंडता और नेतृत्व की आवश्यकता को बढ़ावा देंगे।

PO7. नैतिकता- छात्र मूल्यों और नैतिकता सीखेंगे और कार्यस्थल और समुदाय के भीतर जिम्मेदारी की भावना के साथ इन्हें लागू करने की क्षमता का विकास करेंगे जो उन्हें जिम्मेदार नागरिकों के रूप में बदल देगा।
PO.8पर्यावरण और सतत विकास- छात्र सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में समाधान प्रदान करने में सक्षम होंगे, और सतत विकास के लिए ज्ञान और आवश्यकता का प्रदर्शन करेंगे।
PO9. आजीवन सीखना- छात्रों में आत्मशिक्षा और आजीवन सीखने की क्षमता के लिए - आत्मविश्वास विकसित करने की क्षमता होगी। यह कार्यक्रम विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उपस्थित होने और ज्ञान और कौशल विकास के माध्यम से बदलते परिवेश, प्रौद्योगिकी और कार्यस्थल की मांगों के अनुकूल होने के लिए स्वतंत्र रूप से काम करने की शक्ति प्रदान करेगा।
PO10. परियोजनाए और प्रबंधन- छात्रों को विभिन्न तकनीकी ज्ञान और कौशल का लाभ लेने के लिए समस्याओं और परियोजनाओं को तैयार करने और समाधान के लिए एक प्रक्रिया की योजना बनाने की क्षमता विकसित होगी। वे बहुअनुशासनात्मक वातावरण में - परियोजनाओं का प्रबंधन करने के लिए आधुनिक उपकरणों, तकनीकों, कौशल और प्रबंधन सिद्धांतों का उपयोग कर सकते हैं।
PO11. इंजीनियर और समाज- सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों और मानव, समाज और सामाजिक संस्थाओं के प्रति परिणामी जिम्मेदारियों का आंकलन करने के लिए तर्क और प्रासंगिक ज्ञान लागू कर सकेंगे।
PO12. समाधानों के प्रारुप और विकास- जटिल सामाजिक समस्याओं के समाधान के साथ आने में सक्षम होगे और सार्वजनिक स्वास्थ्य, सुरक्षा, सांस्कृतिक, सामाजिक और पर्यावरण संबंधी विचारों के लिए उपयुक्त विचारों के साथ निर्दिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने वाले सामाजिक घटकों या प्रक्रियाओं के प्रारुप को बनाने में सक्षम होगे।

Program Specific Outcome (PSOs)

PSO 1	विभिन्न साहित्यकारों के विचारों को पढ़कर व समझकर स्वयं रचना करने और एक अनुशासित व सफल जीवन जीने की प्रेरणा देना।
PSO2	भाषा और विज्ञान, विभिन्न साहित्यिक रचनाओं, पाश्चात्य व भारतीय काव्यशास्त्रीय अवधारणों, रस शब्द शक्ति और विविध वादों के गहन अध्ययन से विद्यार्थी की महत्वपूर्ण सोच का विकास होगा।
PSO3	हिंदी की प्रयोजन मूलकता को सिद्ध करती पत्रकारिता की सिद्धांतिक और व्यवहारिक जानकारी, डाक्यूमेंट्री, रिपोर्ताज, नाटक लेखन इत्यादि विद्यार्थी के संचार कौशल में वृद्धि करेगी।
PSO4	पत्रकारिता, शिक्षक, व्याख्याता ,अनुवादक ,भाषा अधिकारी, रचनात्मक लेखन, विज्ञापन, तथा परिभाषित शब्दावली का ज्ञान भाषा साहित्य को व्यावहारिक जीवन के निकट लाने के साथ भाषा और साहित्य के विद्यार्थियों को व्यवसायिक दृष्टि से प्रशिक्षित करेगा जिससे उनके लिए रोजगार की सम्भावनाए प्रशस्त होंगी।
PSO5	हिंदी साहित्य में निहित भारतीय मूल्यों और परम्पराओं के महत्व व भावनाओं को जानने और समझने के पश्चात विद्यार्थी उनको अपने व्यक्तिगत जीवन में भी उनका पालन करेंगे।
PSO6	हिंदी साहित्य में निहित भारतीय मूल्यों और परम्पराओं के महत्व व भावनाओं को जानने और समझने के पश्चात विद्यार्थी उनको अपने व्यक्तिगत जीवन में भी उनका पालन करेंगे।
PSO7	हिंदी साहित्य में निहित भारतीय मूल्यों और परम्पराओं के महत्व व भावनाओं को जानने और समझने के पश्चात विद्यार्थी उनको अपने व्यक्तिगत जीवन में भी उनका पालन करेंगे।

Eligibility for admission:

Any candidate who has passed the Plus Two of the Higher Secondary Board Board of Examinations in any state recognized as equivalent to the Plus Two of the Higher Secondary Board in with not less than 45%-marks in aggregate is eligible for admission, However, SC/ST, OBC and other eligible communities shall be given relaxation as per University rules.

Duration of the Programme:2 Years

STUDY & EVALUATION SCHEME

Choice Based Credit System /ECS
Master of Arts Hindi

First Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
Theory										
1	Core	MHN C101	हिंदी साहित्य का इतिहास	2	1	0	03	20	40	100
2	Core	MHN C102	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	2	1	0	03	20	40	100
3	Core	MHN C-103	भारतीय काव्यशास्त्र	2	1	0	03	20	40	100
4	Core	MHN C-104	प्राचीन एवं मध्यकालीन निर्गुण काव्य	2	1	0	03	20	40	100
5	Core	MHN C-105	आधुनिक काव्य	2	1	0	03	20	40	100
6	Core	MHN C-106	आधुनिक गघ	2	1	0	03	20	40	100
			Total	12	6	0	18	120	240	600

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

Second Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
Theory										
1	Core	MHNC-201	हिंदी साहित्य का इतिहास	2	1	0	03	20	40	100
2	Core	MHNC-202	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	2	1	0	03	20	40	100
3	Core	MHNC-203	छायावादोत्तर काव्य	2	1	0	03	20	40	100
4	Core	MHNC-204	मध्यकालीन सगुण एवं रीतिकालीन काव्य	2	1	0	03	20	40	100
5	Core	MHNC-205	पाश्चात्य काव्य	2	1	0	03	20	40	100
6	Core	MHNC-206	कथा साहित्य	2	1	0	03	20	40	100
			Total	12	6	0	18	120	240	600

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

Third Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
Theory										
1	Core	MHNC-301	प्रयोजनमूलक हिन्दी	2	1	0	03	20	40	100
2	Core	MHNC-302	भारतीय साहित्य	2	1	0	03	20	40	100
3	Core	MHNC-303	हिन्दी आलोचना साहित्य	2	1	0	03	20	40	100
4	Elective	MHNE 304	वैकल्किप प्रश्न पत्रः- 1.मीरा 2. लोक साहित्य 3.गोस्वामी तुलसीदास	2	1	0	03	20	40	100
5	Core	MHNC-305	हिन्दी नाटक और रंगमंच	2	1	0	03	20	40	100
6	Core	MHNC-306	दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन	2	1	0	03	20	40	100
			Total	12	6	0	18	120	240	600

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

Fourth Semester

S. No.	Course Category	Couse Code	Course Name	Periods				Evaluation scheme		Subject Total
				L	T	P	C	Sessional (Internal)	External (ESE)	
Theory										
1	Core	MHNC-	प्रयोजनमूलक	2	1	0	3	20	40	100

		401	हिन्दी							
2	Core	MHNC-402	बांग्ला साहित्य एवं हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्धयन	2	1	0	3	20	40	100
3	Core	MHNC-403	हिमालय साहित्य एवं संस्कृति	2	1	0	3	20	40	100
4	Elective	MHNE-404	वैकल्पिक प्रश्न- (अ)गढ़वाली लोक साहित्य (ब)जनपदीय साहित्य	2	1	0	3	20	40	100
5	Core	MHNC-405	पत्रकारिता प्रशिक्षण	2	1	0	3	20	40	100
6	Elective	MHNE-406	वैकल्पिक प्रश्न- (अ)शोधप्रविधि (ब)लघु शोधप्रबंध (स)दलित विर्मश	2	1	0	3	20	40	100
7	Self-Study	MHNS-607	भाषा-शिक्षण							
			Total	12	6	0	18	120	240	600

L – Lecture, T – Tutorial, P – Practical, C – Credit

Examination Scheme:

Components	**Ist internal**	**IInd Internal**	**External (ESE)**
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name- M.A

Course code	**:**	**MHNC-101**
Course Name	**:**	**हिन्दी साहित्य का इतिहास(आदिकाल से रीतिकाल तक)**
Semester /Year	**:**	**प्रथम सेमेस्टर**

	L	T	P	C
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा से अवगत कराना।

2. हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों की सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक परिस्थित को समझना।

3. हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों के लेखको की विचारधारा को समझना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा आधारभूत सामग्री और इतिहास के पुनर्लेखन की समस्या ,हिंदी साहित्य का इतिहास काल विभाजन समय निर्धारण और नामांकरण।

हिंदी साहित्यः आदिकाल की पृष्ठभूमि सिद् और नाथ साहित्य ,जैन साहित्य एवं रासो काव्य ,हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य साहित्यिक प्रवृतियां काव्य धारा के प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएं ।

इकाई 2

पूर्व मध्यकाल भक्ति काल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन विभिन्न काव्यधारा तथा वैशिष्ट्य ।

प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान, भारत में सूफी मत का विकास तथा मुख्य सूफी कवि और काव्य ग्रन्थ।

इकाई 3

भक्तिकालीन सगुण काव्यःराम एवं कृष्ण काव्य धारा व उनके प्रमुख कवि भक्तिकालीन सगुण काव्यधारा की प्रमुख रचाएं व ग्रन्थ।

इकाई 4

उत्तर मध्य काल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामांकरण,,नामांकरण ,दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परंपरा।

रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध रीतिसिद्ध रीतिमुक्त) प्रवृत्तियों और विशेषताएं प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएं।

संदर्भ ग्रंथ

1 हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

2 हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ नागेंद्र

3 रासो साहित्य का इतिहास- माता प्रसाद गुप्त

4 हिंदी साहित्य का संवेदनात्मक विकास- डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी

5 हिंदी साहित्य का आदिकाल- हजारी प्रसाद द्विवेदी

6 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ बच्चन सिंह

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1-हिंदी साहित्य के इतिहास का विभिन्न युगो के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करना।
CO2- हिंदी साहित्य के इतिहासक अध्ययन के माध्यम से हिंदी साहित्य को समझना।
CO3- विभिन्न साहित्यकारो की रचना के प्रयोग द्वारा हिंदी साहित्य के इतिहासक को जानना।
CO4- हिंदी साहित्य के प्रत्येक युग की रचनात्मक, सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक परिस्थितयो का विश्लेषण करना।
CO5- हिंदी साहित्य से सम्बन्धित विभिन्न विचारधाराओं का मूल्यांकन करना।
CO6- हिंदी साहित्य के प्रत्येक युग की समीक्षा करना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	2		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	2	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	20 (Assignment)	20 (Write Exam)	60

Programme Name- M.A.

Course code : MHNC-102				
Course Name : भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा				
Semester /Year : प्रथम सेमेस्टर				
	L	**T**	**P**	**C**
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. भाषा के विकास क्रम को बताना।
2. भाषा परिवर्तन के दिशाएं, कारण का वर्णन करना।
3. हिन्दी भाषा संरचना वैज्ञानिक और वैधानिक स्थित का वर्णन करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई 1

भाषा की परिभाषा ,प्रकृति एवं विशेषताएं ,भाषा परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण , भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति अध्ययन की दिशाएं (वर्णनात्मक ,ऐतिहासिक एंव तुलनात्मक)

भाषा विज्ञान परिभाषा एवं स्वरूप,भाषा विज्ञान की अध्ययन पध्दतियाँ,भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाएँ

इकाई 2

स्वन- विज्ञान की परिभाषा,हिन्दी के स्वन और उनका उच्चारण-वर्गीकरण, अधिखण्य स्वन।

इकाई 3

रूप ,रुप, रूपिम, संरुप की अवधारणा।

वाक्य की परिभाषा,वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण निकटस्थ अवयव विश्लेषण गहन संरचना और बाह्य संरचना ।

इकाई 4

अर्थ विज्ञानः अर्थ की अवधारणा ,शब्द और अर्थ का संबंध,अर्थ परिवर्तन की अवधारणा,परिवर्तन,पर्यायता,विलोमता और अनेकार्थता।

साहित्य अध्धयन में भाषा विज्ञान के अगों की उपयोगीयता।

संदर्भ ग्रंथ

1 भाषा विज्ञान- डॉ भोलानाथ तिवारी

2 आधुनिक भाषाविज्ञान- कृपाशंकर सिंह

3 भाषा और समाज डॉ रामविलास शर्मा

4 हिंदी भाषा का उद्भव और विकास- डॉ गुणानंद जुयाल

5 भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र- डॉ कपिल देव

Course Outcome:
CO1- हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, वाक् अवयव की विशेषताओं और भाषा संरचना का ज्ञान
CO2-हिन्दी भाषा की वैज्ञानिकता और वैधानिकता को समझना।
CO3- भाषा की अवधारणा, शब्दावली, अनुवाद की व्याख्या के व्यवहारिक प्रयोग अध्ययन।
CO4- स्वन- विज्ञान, रूपिम संरचना और अर्थ विज्ञान का विश्लेषण करना।

CO5- हिन्दी भाषा और भाषा-विज्ञान के सम्पूर्ण स्वरुप का मूल्यांकन।
CO6- हिन्दी भाषा संरचना प्रणाली के स्वरुप की जाँच करना ।

6 भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र- कपिल देव

7 भारतीय काव्यशास्त्र- डॉ तारक

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	2		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	2	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name – M.A

Course code	**: MHNC-103**			
Course Name	**: भारतीय काव्यशास्त्र**			
Semester /Year	**: प्रथम सेमेस्टर**			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रो को भारतीय साहित्यशास्त्र से परिचय देना।

2. छात्रो को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।

3. साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों से छात्रो को अवगत कराना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई 1

काव्य के लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन

रस सिद्धांत- रस का स्वरूप,रस निष्पत्ति रस के अंग, साधारीकरण,सहृदय की अवधारणा।

इकाई 2

अलंकार सिद्धान्त- मूल स्थापनाएँ,अलंकारों का वर्गीकरण।

रीति सिद्धांत -रीति की अवधारणा-काव्य-गुण-दोष,रीति एवं शैली प्रमुख स्थापनाएं।

इकाई- 3

रीतिकाल सिद्धांत की अवधारणा, काव्य गुण, वक्रोक्ति सिद्धान्त - वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद,वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।

इकाई-4

ध्वनि सिद्धान्त -स्वरूप, स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के भेदA

औचित्य सिद्धान्त -स्थापनाएँ और भेद,

संदर्भ ग्रंथ

1 भारतीय साहित्यशास्त्र -बलदेव उपाध्याय नंदकिशोर एंड संस वाराणसी

2 काव्यशास्त्र- डॉ भागीरथी मिश्र विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

3 भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका- डॉ नागेंद्र नेशनल पब्लिकेशन हाउस नई दिल्ली

4 भारतीय काव्यशास्त्र -डॉ गोविंद रघुनाथ भारतीय

5 काव्यशास्त्र -डॉ राम मूर्ति त्रिपाठी

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- भारतीय साहित्यशास्त्र के रस, अलंकार, रीति और ध्वनि सिद्धान्त विभिन्न स्वरुपो का ज्ञान।
CO2- संस्कृत साहित्यशास्त्र से लेकर भारतीय काव्यशास्त्र तक सम्प्रदायो के विकास को समझना।

CO3-भारतीय काव्य रचनाओं का अध्ययन कर साहित्यशास्त्र के सिद्धांतो की जांच ।
CO4-भारतीय साहित्यशास्त्रीय चिंतन की अवधारणा का विश्लेषण करना।
CO5- भारतीय साहित्यशास्त्र के रस, अलंकार, रीति और ध्वनि सिद्धान्त का मूल्यांकन करना।
CO6- भारतीय साहित्यशास्त्र के रस,अलंकार, रीति और ध्वनि सिद्धान्त के सम्बंध की जांच।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	2	2	1	-	3	2	1	3	3	1	-
CO2	2	1	3	1	1	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	-	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	1	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	2	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	1	1	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	1	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	20 (Assignment)	20 (Write Exam)	60

Programme Name- M.A

Course code	**: MHNC-104**			
Course Name	**: प्राचीन एवं मध्कालीन निर्गुण काव्य**			
Semester /Year	**: प्रथम सेमेस्टर**			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1.हिन्दी साहित्य की आदिकालीन तथा भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियो की जानकारी देना।

2. छात्रो को प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य-कृतियो का परिचय कराना।

3. छात्रो को प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिन्दी भाषा से अवगत कराना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई- 1

चंद्रवरदाई

पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय)

इकाई- 2

विद्यापति पदावली संख्या - रामवृक्ष बेनीपुरी (प्रारंभ के 25 पद)

इकाई -3

कबीरदास (कबीर ग्रथांवली स. श्यामसुन्दर दास)

गुरुदेव कौ अंग 3, 6,12,17 ,20 ,

विरह कौ अंक 1,3, 6,11, 12

परच कौ अंग 4,7, 8,12, 14

इकाई – 4

पद्मावत& मलिक मुहम्मद जायसी सम्पादक आर्चाय रामचंद्र शुक्ल की व्याख्या हेतु खण्ड

(क) सिंगल दीप वर्णन
(ख) नागमती का विरह वर्णन

संदर्भ ग्रंथ

1-त्रिवेणी -आचार्य रामचंद्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा काशी।

2 -हिंदी साहित्य का अतीत- (भाग 12 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र वाणी विज्ञान ब्रह्म लाल वाराणसी)

3- मध्यकालीन बोध स्वरूप- डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

4- मध्यकालीन काव्य साधना- डॉ वासुदेव सिंह जय संजय बुक डिपो वाराणसी।

5- हिंदी के प्राचीन कवि-डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

6- कबीर एक नई दृष्टि- डॉ रघुवंश लोकभारती हिंदी सूफी कवियों की विवेचना।

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- हिंदी साहित्य की आदिकालीन व मध्यकालीन काव्यधारा का ज्ञान।
CO2- विभिन्न कवियो की रचनाओ द्वारा हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि को समझना।
CO3-आदिकालीन व मध्यकालीन हिंदी साहित्य की रचनाओ के अध्ययन के माध्यम से रचना कौशल का विकास।
CO4-आदिकालीन व मध्यकालीन युग की प्रमुख साहित्यिक रचनाओं का विश्लेषण।
CO5- आदिकालीन व मध्यकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियो का मूल्यांकन करना।
CO6- आदिकालीन व मध्यकालीन काव्य कृतियो की जांच करना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	3	2	3	1	2	2	1	-	3	2	1	3	3	1	-
CO2	3	1	3	1	1	3	2	2	1	3	2	2	3	-	3
CO3	1	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	1	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	2	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	1	1	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	1	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	20 (Assignment)	20 (Write Exam)	60

Programme Name-M.A

Course code : **MHNC- 105**				
Course Name : आधुनिक काव्य				
Semester /Year : प्रथम सेमेस्टर				
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. आधुनिक हिन्दी काव्य के विकास क्रम की जानकारी देना।

2. आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रमुख रचनाओ का अध्ययन करना।

3. रचना के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता विकासित करना।

निर्धारित पाठ्यक्र

इकाई -1

जयशंकर प्रसाद का जीवन परिचय और रचना संसार

कामायनी -कौन तुम संस्कृति जलनिधि तीर (श्रद्धा सर्ग) इतना ना चमत्कृत बाल (लज्जा सर्ग)

इकाई-2

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जीवन परिचय और रचना संसार

राम की शक्ति पूजा तथा बादल राग (1,2)

इकाई-3

सुमित्रानन्द पंत का व्यक्तिव और कृत्तित्व

मौन निमंत्रण, नौका विहार ,अल्मोड़ा का बसंत, आ धरती कितना देती है और प्रथम रश्मि।

इकाई- 4

रामधारी सिंह दिनकर का साहित्यिक परिचय

उर्वशी तृतीय अंक -कौन है अंकुश इसे मैं भी नहीं पहचानता हूं

_____रक्त बुद्धि से अधिक बली है - पद तक।

संदर्भ ग्रंथ-

1 छायावाद के आधार स्तंभ -गंगा प्रसाद पांडे

2 आधुनिक कविता यात्रा -डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी

3 छायावाद की परिक्रमा- डॉ श्याम किशोर मिश्र

4 नई कविता और नए कवि- डॉ विशंभर मानव

5 हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि- डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना

6 छायावादी काव्य कुछ नए संदर्भ -डॉक्टर मृदुला जुगराज

7 समकालीन हिंदी कविता- डॉ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- आधुनिक काव्य के रचनाकार और रचनाओ का बोध।
CO2- आधुनिक काव्य की सामाजिक, राजनैतिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों को समझना ।

CO3-आधुनिक हिंदी काव्य रचनाओ के अध्ययन द्वारा काव्य की जांच करना।
CO4- आधुनिक काल के कवियो जयशंकर प्रसाद, निराला, दिनकर के योगदान का विश्लेषण।
CO5-आधुनिक काल के रचना विधान द्वारा कवियो की रचना का मूल्यांकन करना।
CO6-हिन्दी साहित्य के प्रमुख कवियो और उनकी रचनाओ का संश्लिट अध्ययन।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	3	2	3	1	2	2	1	2	1	2	1	3	3	1	1
CO2	3	1	3	1	1	3	2	2	1	3	2	2	3	-	3
CO3	1	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	2
CO4	3	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	1
CO5	2	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	2	3	1
CO6	-	1	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	1	1

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name- M.A

Course code : MHNC- 106				
Course Name : आधुनिक गघ (नाटक निबंध एवं अन्य गघ विधाएं)				
Semester /Year : प्रथम सेमेस्टर				
	L	**T**	**P**	**C**
	3	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. आधुनिक गघ के स्वरुप से परिचित कराना।

2. प्रमुख गघ विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना।

3. विधा विशेष के तात्विक स्वरुप का वर्णन करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

गद्य की विविध विधाओं(उपन्यास कहानी,नाटक,निबंध,यात्रा वृतान्त,रेखाचित्र) का परिचय

हिन्दी गघ की विविध विधाओं के उदभव और विकास का परिचय

इकाई- 2

स्कंदगुप्त- जयशंकर प्रसाद

आधे अधूरे – मोहन राकेश

इकाई- 3

अशोक के फूल- हजारी प्रसाद

पगडण्डी -हरिशंकर परसाई

इकाई- 4

श्रृंखला की कड़िया महादेवी वर्मा -

अरे यायावर रहेगा याद - अज्ञेय

एक साहित्यिक की डायरी - मुक्तिबोध

संदर्भ ग्रंथ

1 प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन- डॉ जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

2 प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक-डॉ जगदीश चंद्र जोशी

3- प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचना- डॉ गोविंद चातक

4 नाटककार मोहन राकेश -डॉ पुष्पा बंसल

5 नाटक बिम्ब -डा दशरथ ओझा

6 हिंदी उपन्यास के 100 वर्ष तक- रामदरश मिश्र

7 हिंदी निबंध के आधार स्तम्भ- मोहन राम

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:

CO1- आधुनिक हिन्दी गघ के रचनाकार और रचनाओ का ज्ञान।

CO2-हिन्दी गघ की विविध विधाओं के उदभव और विकास को समझना।
CO3- हिन्दी गघ साहित्य के आधुनिक कालीन कवियो के योगदान को प्रदर्शित करना।
CO4-आधुनिक हिन्दी गघ विधाओ के विविध रुपो का विश्लेषण करना।
CO5-आधुनिक गघ साहित्य की सामाजिक, राजनैतिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों मूल्यांकन।
CO6-आधुनिक हिंदी काव्य के अध्ययन द्वारा काव्य लेखन के स्वरुप का अध्ययन।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	-	2	3	1	2	2	1	-	3	2	1	3	3	1	3
CO2	3	1	3	1	1	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	2	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	-	3		-	3	2	1	1	2	1	3	3	3	-	-
CO5	3	-	2	3	-	3	2	3	3		2	-	-	3	3
CO6	2	1	3	1	-	2	1	1	2	3	1	2	2	-	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlate

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name- M.A

Course code	**: MHNC- 201**			
Course Name	**:** हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल से आधुनिक युग)			
Semester /Year	**:** द्वितीय सेमेस्टर			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रो को रीतिकालीन साहित्य से परिचित कराना।

2.छात्रों को भारतीय साहित्य में पुनर्जागरण काल के महत्व को समझाना।

3. भारतीय हिंदू और द्विवेदी युग के महत्व का वर्णन करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई- 1

आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई० की राज्यक्रांति और हिन्दी साहित्य एवं पुनर्जागरण काल ।

इकाई -2

भारतेंदु युगः के प्रमुख साहित्यकार ,रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएं ।

द्विवेदी युग: प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ एवं साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई– 3

स्वच्छंदतावादी विचारधारा का स्वरुप और साहित्यकार।

छायावाद काव्य: प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएं ।

इकाई– 4

प्रगतिवादःउत्तर छायावादी प्रयोगवाद, नई कविता, नव गीत ,समकालीन कविता

संदर्भ ग्रंथ

1 हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

2 हिंदी साहित्य के इतिहास -डॉ नागेंद्र

3 साहित्य का अतीत- आचार्य विश्वनाथ

4 हिंदी साहित्य का साहित्य का आदिकाल- हजारी प्रसाद द्विवेदी

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- हिंदी साहित्य के नवजागरण काल का बोध।
CO2-रीतिकाल एवं आधुनिक हिंदी साहित्य के सामाजिक, राजनैतिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों को समझना ।
CO3- 1857 ई० की राज्यक्रांति के पश्चात पुनर्जागरण काल की साहित्यिक परिस्थितियो की जांच करना।
CO4- हिन्दी साहित्य के इतिहास के ज्ञान का प्रयोग साहित्य विश्लेषण के लिए करना।

CO5- भारतेंदु युग से लेकर समकालीन हिन्दी कविता तक काव्य के स्वरुप का अध्ययन।
CO6- आधुनिक युग की नवीन गघ विधाओं का मूल्यांकन।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	3	2	3	1	2	2	1	2	3	2	1	3	3	1	3
CO2	2	1	3	1	1	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	2	2	3	1	2	2	1	1	2	1	3	3	3	3
CO4	1	3	1	2	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	3	-	2	3	-	3	2	3	3	1	2	1	-	3	3
CO6	2	1	3	1		2	1	-	1	3	1	3	1	1	1

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name- M.A

Course code	**: MHNC- 202**			
Course Name	: भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा			
Semester /Year	: द्वितीय सेमेस्टर			

	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**6**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are
1. विश्व भाषा परिवार से छात्रों को अवगत कराना।
2. भाषा की भौगोलिक स्थिति का वर्णन करना।
3. हिंदी भाषा के संवैधानिक स्वरूप से छात्रों को अवगत कराना।
4. छात्रों को हिंदी भाषा की संरचना विधि का वर्णन करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

हिंदी भाषा का इतिहास, भाषा परिवार का संक्षिप्त परिचय सतम एवं केन्तुम। देवनागरी लिपि का इतिहास ।

इकाई -2

हिंदी का भौगोलिक विस्तार ,मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं

हिन्दी की बोलियाँ और उनकी विशेषताएँ

इकाई -3

हिंदी का भाषिक स्वरूप- हिंदी स्वनिम व्यवस्था ,खंडहप, खंडयतर। हिंदी शब्द रचना -उपसर्ग प्रत्यय ।

हिंदी वाक्य पद क्रम और अवनतिA

इकाई -4

हिंदी के विविध रूप- संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी,माध्यम भाषा,संचार -भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति ।

हिंदी भाषा शिक्षण,देवनागरी लिपि विशेषताएं एवं मानवीकरण ।

संदर्भ ग्रंथ

1 हिंदी भाषा का उद्भव और विकास- डॉ गुणानंद जुयाल

2 भाषा विज्ञान हिंदी भाषा- रामदरश मिश्र

3 भाषा और समाज- डॉ रामविलास शर्मा

4- हिंदी भाषा का स्वरूप- डॉ जितेंद्र नाथ मिश्र

5- भाषाविज्ञान- भोलानाथ तिवारी

6- आधुनिक भाषा विज्ञान -कृपाशंकर सिंह चतुर्भुज सहाय

7-हिंदी का सामाजिक संदर्भ- रविंद्र नाथ श्रीवास्तव तथा रामनाथ

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:

CO1- भाषायी परिवार की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का ज्ञान।

CO2-मध्यकालीन भारतीय भाषाओं एवं हिंदी भाषा की उपभाषा, बोलीयों की संरचना को समझना।
CO3- राजभाषा, राष्ट्रभाषा व देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता और संवैधानिक स्थिति का पता लगाना।
CO4- हिंदी के भाषिक स्वरूप एवं देवनागरी लिपि का विश्लेषण करना।
CO5- अनेक भारतीय भाषाओं की सरंचना प्रणाली का मूल्यांकन करना।
CO6- हिंदी राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा का पता लगाना।

CO-PO and PSOMapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	3	2	3	1	2	2	1	2	3	2	1	3	3	2	-
CO2	-	1	3	1	1	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	2	2	2	3	1	2	2	1	1	2	1	3	3	3	3
CO4	1	3	1	2	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	2
CO5	3	-	2	3	-	3	2	3	3	1	2	1	-	2	3
CO6	2	1	3	1		2	1	-	1	3	1	3	1	1	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	20 (Assignment)	20 (Write Exam)	60

Programme Name –M.A

Course code	**: MHNC- 203**			
Course Name	**:** छायावादोत्तर काव्य			
Semester /Year	**:** द्वितीय सेमेस्टर			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**6**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रों को छायावादोत्तर काव्य साहित्य से परिचित कराना।

2. विद्यार्थियों को छायावादोत्तर कविता के विभिन्न युगों की विचारधारा से परिचित कराना।

3. छायावादोत्तर कविता की रचना शैली का वर्णन करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई 1

छायावादोत्तर काव्य का राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश

प्रगतिवादः प्रवृत्तियां एवं प्रमुख रचनाकार

प्रयोगवादः तारसप्तक का महत्व, प्रयोगधर्मिता, युगबोध

इकाई-2

नयीकविताः आधुनिक-बोध ,अस्तित्वाद लघुमानववाद अकविता एवं
नवगीतः प्रवृत्तियां एवं विशेषताएं

इकाई -3

अज्ञेय- नदी के दीप, असाध्य वीणा

मुक्तिबोध- ब्रह्मराक्षस, आत्मा के मित्र मेरे।

इकाई -4

केदारनाथ सिंह –बाघ,अकाल के सारस

शमशेरःबात बोलेगे ,लौट आ ओ धार

संदर्भ ग्रथं

1 छायावाद के आधार स्तंभ- गंगा प्रसाद पांडे

2 कविता के नए प्रतिमान -नामवर सिंह

3 अज्ञेय की काव्य चेतना डॉ कृष्ण भावुक

4 आधुनिक प्रतिनिधि-डॉ शांति कुमार गुप्ता

5 छायावाद- नामवर सिंह

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1-छायावादोत्तर कवि और कविता का ज्ञान।
CO2- प्रगतिवाद व प्रयोगवादी कवियों की रचनाओं में निहित समस्या को समझना।
CO3- छायावादोत्तर, प्रगतिवाद और प्रयोगवादी वैचारिक पृष्ठभूमि का पता लगाना।
CO4- प्रयोगवाद में तारसप्तक के महत्व का विश्लेषण करना।
CO5- नयी कविता और नवगीत कविता का मूल्यांकन करना।
CO6- विभिन्न साहित्यिक विचारधारा के अध्ययन से सृजन की प्रेरणा प्राप्त करना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3
CO1	1	2	3	1	2	2	1	-	3	2	1	3	3	1
CO2	2	1	3	1	1	3	2	2	1	3	2	2	3	-
CO3	-	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3
CO4	1	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-
CO5	2	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3
CO6	1	1	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	1

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	20 (Assignment)	20 (Write Exam)	60

Programme Name-M. A

Course code	**: MHNC- 204**			
Course Name	: मध्यकालीन सगुण एवं रीतिकालीन काव्य			
Semester /Year	: द्वितीय सेमेस्टर			
L	**T**	**P**	**C**	
2	**1**	**0**	**3**	

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रों को मध्यकालीन सगुण काव्य से परिचित कराना।

2. मध्यकालीन व रीतिकालीन काव्य शास्त्र की रचना शैली का वर्णन करना।

3. हिंदी साहित्य की मध्यकालीन व रीतिकालीन साहित्यिक पृष्ठभूमि का वर्णन करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

कृष्णकाव्य धारा का परिचय

सूरदास -भ्रमरगीत सार -संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल (50 पद)

पद संख्या 6 ,7, 8, 9, 18,21 ,23, 24,

इकाई- 2

रामकाव्य का परिचय

तुलसीदास- रामचरित्रमानस -सुंदरकांड (एक से पचास तक के दोहे व चौपाइयां)

इकाई-3

रीतिकालीन काव्य परिचय

घनानंद-आनंदघन संपादक रामदेव शुक्ल (आरंभ के 25 छंद)

इकाई-4

रीतिकालीन कवि बिहारी का परिचय

बिहारी लाल बिहारी रत्नाकर संपादक जगन्नाथदास रत्नाकर (आरंभ के 75दोहे)

संदर्भ ग्रंथ

मध्यकालीन बोध स्वरूप- डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी

हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि -डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना

मध्यकालीन काव्य साधना- डॉ रघुवंश लोकभारती

भक्ति आंदोलन का सामाजिक आधार- गोपेश्वर सिंह

गोस्वामी तुलसीदास -आचार्य रामचंद्र शुक्ल

सूर्य एवं उनका साहित्य- डॉ हरिवंश लाल शर्मा

तुलसी एवं उनका साहित्य- डॉ हरिवंश लाल शर्मा

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:

CO1-सगुण काव्य धारा व रीतिकालीन काव्य धारा विचारधारा का ज्ञान।

CO2-सगुण काव्यधारा व रीतिकालीन काव्यधारा के रचनाकारो के संदर्भ में रचनाओं को समझना ।
CO3-भारतीय साहित्य में निहित जीवन मूल्यों व नैतिकता का पता लगाना।
CO4- सगुण काव्यधारा व रीतिकालीन काव्यधारा की प्रमुख रचनाओं का विश्लेषण।
CO5- सूरदास, तुलसीदास, घनानंद और बिहारी की प्रमुख रचनाओं का मूल्यांकन करना।
CO6- सगुण काव्यधारा व रीतिकालीन काव्यधारा की साहित्यिक वैचारिक पृष्ठभूमि का पता लगाना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	2		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	2	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	20 (Assignment)	20 (Write Exam)	60

Programme Name-M. A

Course code : MHNC- 205				
Course Name : पाश्चात्य काव्य				
Semester /Year : द्वितीय सेमेस्टर				
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय देना।

2. छात्रों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों से अवगत कराना।

3. छात्रों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समीक्षा का ज्ञान कराना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

प्लेटो

काव्य सिद्धांत,अनुकरण सिद्धांत

अरस्तू के काव्य सिद्धांतः

(क)अनुकरण सिद्धांतः अनुकरण सिद्धांत की व्याख्या, प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना।

(ख)विरेचन सिद्धांतः स्वरुप, विरेचन का महत्व, त्रासदी विरेचन।

लोजासाइनस का उदात की अवधारणा, ड्रायडेन के काव्य सिद्धांत

इकाई-2

उदात्त सिद्धांतः

लोंजासाइनस के उदात्त सिद्धांत की व्याख्या, काव्य में उदात्त का महत्व,

इकाई -3

वुर्डसवर्थ - काव्य भाषा सिद्धांत, कॉलरिज कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना।

मैथ्यू अर्नाल्ड -आलोचना का स्वरूप पर प्रकाय

इकाई -4

टी एस इलियट परंपरा की परिकल्पना और निवैयक्तित्व का सिद्धांत,

वस्तुनिष्ठ समीक्षा

आई ए रिचर्ड्स -रागात्मक का अर्थ, संवेगों का संग्रह व्यावहारिक आलोचना।

इकाई- 5

(क) सिद्धांत और वाद- स्वच्छंदवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणावाद

(ख) आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृतियां -संरचनावाद, विखंडनवाद

संदर्भ ग्रंथ

1-पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ शांति स्वरूप

2 -पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास- डॉ तारक नाथ

3- पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत -सत्यदेव मिश्र

4- -पाश्चात्य काव्यशास्त्र डॉ भागीरथ मिश्र

5- आलोचक और आलोचना - डॉ बच्चन सिंह

6- पाश्चात्य काव्यशास्त्र - तारकनाथ बाली

7-पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा-सावित्री सिन्हा

8-पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1-पाश्चात्य काव्य साहित्य के सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
CO2-पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों के माध्यम से भारतीय काव्यशास्त्र को समझना।
CO3- साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से समीक्षात्मक कौशल का विकास।
CO4- भारतीय काव्यशास्त्र व पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक विश्लेषण करना।
CO5- पाश्चात्य काव्यशास्त्र पर आधारित सिद्वांतो का मूल्यांकन करना।
CO6- पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों के माध्यम से भारतीय काव्यशास्त्र का पता लगाना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	3	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	1	2	2	3
CO2	1	2	3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	2	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	3	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	2
CO5	2	1	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	1
CO6	1	2	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	3

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	20 (Assignment)	20 (Write Exam)	60

Programme Name- M.A

Course code : MHNC- 206

Course Name : कथा साहित्य				
Semester /Year : द्वितीय सेमेस्टर				
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. कथा साहित्य के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।

2. छात्रों को कथा साहित्य के विकास क्रम की जानकारी देना।

3. कथा साहित्य के प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से अवगत कराना ।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

1 शेखर एक जीवनी (भाग 1 व 2)

2 बाणभट्ट की आत्मकथा -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई- 2

हिंदी कहानी –

चंद्र शर्मा गुलेरी- उसने कहा था

प्रेमचंद्र –कफन

जैनेंद्र- पत्नी

कमलेश्वर- पराया शहर

विद्यासागर नौटियाल -हट जा पंचधार

निर्मल वर्मा- लंदन की एक रात

उषा प्रियंवदा- वापसी

इकाई- 3

शेखर एक जीवनी- शिल्प वैशिष्टय

बाणभट्ट की आत्मकथा

इतिहास और संस्कृति, भाषा-शैली, शिल्प वैशिष्टय

इकाई- 4

कहानी कला का वैशिष्ट्य

विभिन्न कहानी आंदोलनो का वर्णन

सदर्भ ग्रंथ

1-समकालीन हिंदी कविता उपन्यास विश्लेषण- डॉ प्रेम कुमार

2-हिंदी उपन्यास - शास्त्री प्रसाद जोशी

3- हिंदी उपन्यास का विकास-

4- उपन्यास अठारह - राजेंद्र

5-उपन्यासः स्थिति और गति- डॉ विवेकी राय

6-हिन्दी उपन्यासःसौ वर्ष. - स. रामदरश मिश्र

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- हिंदी कथा साहित्य के विविध रुपो का ज्ञान प्राप्त करना।
CO2-साहित्येतर भाषा प्रयोग को समझना।
CO3- साहित्य के माध्यम से समाज को देखने का दृष्टिकोण विकसित करना।

CO4- हिंदी कथा साहित्य के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना।
CO5- हिंदी कथा साहित्य की प्रमुख रचनाओं का मूल्यांकन करना।
CO6-हिंदी के महत्वपूर्ण लेखको के साहित्य से परिचित कराना ताकि छात्र इस क्षेत्र में रोजगार के प्रति आकर्षित हो।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	3	2	3	1	1	2	3	2	3	2	1	3	3	2	1
CO2	1	2	3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	-
CO3	2	1	1	-	-	2	-	3	1	-	1	3	3	3	2
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	1	3	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	3	1	3	1	-	2	1	1	1	3	1	3	1	2	1

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name-M.A

Course code : MHNC-301

Course Name : प्रयोजनमूलक हिन्दी				
Semester /Year : तृतीय सेमेस्टर				
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रों को कार्यालय हिंदी के स्वरूप से अवगत कराना।

2. छात्रों को हिंदी भाषा में कंप्यूटर के प्रयोग से परिचित कराना।

3. आधुनिक संचार साधनों में हिंदी भाषा में प्रयोग का वर्णन करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

प्रयोजनमूलक हिन्दीः परिभाषा एवं स्वरुप

हिन्दी भाषा के विविध रूप -सामान्य भाषा, मातृभाषा, माध्यम भाषा, संपर्क भाषा।

कामकाजी हिंदी के विविध रूप-सर्जनात्मक भाषा, संचार राजभाषा माध्यम भाषा, मातृभाषा।

इकाई-2

कार्यालय हिंदीः का स्वरुप और विशेषता, कार्यालय हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य -प्रारूपण ,पत्र लेखन, संक्षेपण ,पल्लव, टिप्पण।

पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली- निर्माण के सिद्धांत।

इकाई-3

कंप्यूटर परिचय रूपरेखा ,उपयोग तथा क्षेत्र ,वेब पब्लिशिंग का परिचय।

इंटरनेट

संपर्क उपकरणों का परिचय प्रकार्यात्मक रखरखाव ,इंटरनेट पर हिन्दी का भविष्य, विविध

इकाई -4

पत्रकारिता- स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार लेखन, कला संपादन के आधारभूत तत्व व व्यावहारिक प्रूफ शोधन।

शीर्षक की संरचना ,लीड, इंट्रो एवं शीर्षक संपादन, संपादकीय लेखन पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

हिन्दी कम्प्यूटिंगःकम्प्यूटर का परिचय और महत्व ,

संदर्भ ग्रंथ

1-हिंदी प्रमिका (प्रयोजनमूलक हिंदी)-डॉ शंकर सिंह एवं डॉ कंचन शर्मा

2- प्रयोजनमूलक हिंदी -विनोद गोदरे

3- प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे

4-प्रारूपण टिप्पणी और प्रूफ पठन- डॉ भोलानाथ तिवारी

5- कामकाजी हिंदी -डॉ कैलाश चंद्र भाटिया

6- कंप्यूटर और हिंदी -डॉ हरिमोहन

7- समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला- डॉ हरिमोहन तक्षशिला

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- कार्यालयी हिंदी और प्रयोजनमूलक हिन्दी का ज्ञान।
CO2- हिंदी भाषा के कार्यालयी व प्रशासनिक स्वरुप को समझना।
CO3- हिन्दी कम्प्यूटर भाषा और संपर्क उपकरणों की व्यवहारिकता की जांच ।
CO4- मुद्रित व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विभिन्न माध्यमों के द्वारा नवीन तकनीक का विश्लेषण।
CO5- पत्रकारिता, पारिभाषिक शब्दावली और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के रोजगापरक स्वरुप का मूल्यांकन ।
CO6-मुद्रित व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विभिन्न माध्यमों की ।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	2	2	3	1	1	2	3	2	3	2	1	3	3	2	3
CO2	-	2	3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	-
CO3	3	1	1	1	2	2	2	3	1	2	1	3	3	3	2
CO4	1	3	2	1	3	2	1	1	2	1	3	1	3	1	2
CO5	2	3	2	3	-	3	2	3	3	2	2	1	-	3	1
CO6	-	1	3	3	-	2	1	1	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)

Programme Name- M.A

Course code	**: MHNC- 302**			
Course Name	: भारतीय साहित्य			
Semester /Year	: तृतीय सेमेस्टर			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are
1. छात्रों को आधुनिक भारतीय साहित्य का परिचय देना।
2. आधुनिक श्रेष्ठ रचनाओं से अवगत कराना।
3. साहित्य समीक्षाशास्त्र के महत्व को बताना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

भारतीय साहित्य का स्वरूप व अवधारणा,भारतीय साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई- 2

नाटक -हृदयवन(नाटक कन्नड) गिरीश कर्नाड

इकाई- 3

उपन्यास -मृत्युंजय(मराठी उपन्यास)शिवाजी गोविंदराव सावंत

इकाई- 4

नाटक -बाँसुरी बजती रही(गोविन्द चातक)

संदर्भ ग्रंथ

1- भारतीय साहित्य -डॉ नागेंद्र

2- भारतीय साहित्य के इतिहास की सीमाएं -रामविलास शर्मा

3- आधुनिक भारतीय चिंतन -विश्वनाथ नरवणे

4 -भारतीय साहित्य की भूमिका -रामविलास शर्मा

5-भारतीय उपन्यास की भूमिका-तक्षशिला प्रकाशन

6-भारतीय साहित्य-डॉ राम छबीला त्रिपाठी

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- भारतीय साहित्यशास्त्र के आधुनिक स्वरूप का ज्ञान।
CO2- विभिन्न भारतीय भाषाओ की श्रेष्ठ रचनाओं को समझना।
CO4- भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतो का विश्लेषण करना।
CO5- हृदयवन, मृत्युंजय और बाँसुरी बजती रही रचनाओं का मूल्यांकन।
CO4 विभिन्न भारतीय भाषाओं की श्रेष्ठ साहित्यिक रचनाओं के माध्यम द्वारा रचना कौशल का विकास।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	2	2	1	-	3	2	1	3	3	1	-
CO2	2	1	3	1	1	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	-	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	1	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	2	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	1	1	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	1	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name- M.A

Course code	**: MHNC- 304**			
Course Name	**:** हिन्दी आलोचना			
Semester /Year	**:** तृतीय सेमेस्टर			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रों को हिंदी आलोचना से अवगत कराना।

2. प्रमुख आलोचकों की आलोचना शैली का वर्णन करना।

3. छात्रों को विभिन्न आलोचना शैलियों के महत्व को समझाना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई- 1

हिन्दी आलोचना का विकास

शुक्ल पूर्व आलोचना, शुक्ल युग, मार्क्सवादी आलोचना

इकाई -2

रामचंद्र शुक्लःइतिहास दृष्टि, रस दृष्टि, लोकमंगल की अवधारणा

हजारी प्रसाद द्विवेदी और आलोचना की दूसरी परम्परा

आचार्य नंददुलारे वाजपेईःसौष्ठववादी आलोचन

इकाई-3

मार्क्सवादी आलोचनाः डॉ रामविलास शर्मा

आलोचना और नामवर सिंह

इकाई-4

आलोचक रचनाकारः प्रेमचंद, प्रसाद, पंत, निराला, अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही

संदर्भ ग्रंथ

1 साहित्य का मर्म -हजारी प्रसाद द्विवेदी

2 नई समीक्षा नए प्रश्न- डॉ नागेंद्र

3 काव्य का रूप -बाबू गुलाब राय

4 हिंदी साहित्यलोचन- श्यामसुंदर दास

5 दूसरी परंपरा की खोज -डॉ नामवर सिंह

6 छायावाद इतिहास और आलोचना- डॉ नामवर

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- हिंदी आलोचना की वैचारिक पृष्ठभूमि का ज्ञान ।
CO2- हिंदी आलोचना साहित्य के प्रमुख आलोचक व उनकी आलोचना पद्धति को समझना।

CO3-हिंदी आलोचना साहित्य के विभिन्न अवधारण शब्दावली और विचारधाराओ का हिंदी आलोचना के परिपेक्ष में वर्णन करना।
CO4-साहित्य का समाजशास्त्री विश्लेषण करना।
CO5-विभिन्न आलोचना सिद्धांतों के ज्ञान द्वारा किसी रचना का मूल्यांकन करना।
CO6- हिंदी आलोचना साहित्य के सिद्धांतों के आलोक में रचनाओ का अध्ययन।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	-	2	3	2	-	2	2	1	-	2	1	3	3	2	1
CO2	3		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	-
CO3	3	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	-	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	1
CO6	3	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	20 (Assignment)	20 (Write Exam)	60

Programme Name- M.A

Course code : MHNE- 304				
Course Name : मीरा (अ)				
Semester /Year : तृतीय सेमेस्टर				
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रों को भक्तिकालीन कवित्री मीरा के व्यक्तित्व और कृतित्व को बताना।

2. छात्रों को साहित्य में मीरा के महत्व को समझाना।

3. मीरा की रचनाओं का वर्णन करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

मीरा एवं हिन्दी आलोचना

मीरा का जीवन – स्रोत सामग्री का अध्ययन

मीरा के युग का समाज

इकाई-2

कृष्ण काव्य परंपरा में मीरा का स्थान

मीरा के काव्य में सगुण- निगुण का प्रश्न

भक्तमालों एवं वार्ता साहित्य में मीरा का परिचय

इकाई-3

मीरा के काव्य में विद्रोह चेतना

लोकजीवन एवं मीरा का काव्य

गीतात्मकता एवं मीरा का काव्य

इकाई- 4

मीरा वृहत पदावली भाग-1(सं.- पुरोहित हरिनारायण)

चयनित 20 पदों का अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ

1-मीरांबाई का जीवन चरित--मुंशी देवी प्रसाद

2-मीरा का जीवन और काव्य-

3-श्रीभक्तमाल)टीका-कवित्त-(प्रियदास

4-वीर विनोद)दो भाग (मीरा का जीवन स. अरविदं

5-उदयपुर राज्य का इतिहास

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- मीरा की रचनाओं को परिभाषित करना।
CO2-कृष्ण काव्यधारा की सामाजिक, राजनौतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझना।
CO3-मीरा के रचना के आलोक में मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास।
CO4-मीरा की रचनाओं में निहित अवधारणा का विश्लेषण करना।
CO5-मध्यकालीन साहित्य में मीरा की रचनाओ का मूल्यांकन करना। ।
CO6-कृष्ण काव्य साहित्य में मीरा के काव्य का स्थान निर्धारित करना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	2		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	2	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name- M.A

Course code : MHNE- 304				
Course Name : लोक साहित्य (ब)				
Semester /Year : तृतीय सेमेस्टर				
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

<u>Course Objectives</u>: <u>The objectives of this course are</u>

1. छात्रों को लोक साहित्य के माध्यम से लोक संस्कृति से अवगत कराना।

2. लोक साहित्य की विभिन्न स्वरूपों का वर्णन करना।

3. विभिन्न लोक गाथाओं का वर्णन करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम-:

इकाई -1

लोक लोक-वार्ता ,लोक विज्ञान, लोक संस्कृति अवधारणा, लोक वार्ता और लोक संस्कृति साहित्य।

लोक साहित्य: अवधारणा, संस्कृत वाड्मय में लोकन्मुक्ता, हिंदी के आरंभिक साहित्य में लोक तत्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतः संबंध।

इकाई-2

भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, हिंदी लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता।

लोक साहित्य के प्रमुख रूप- लोक गीत, लोक नाटक, लोक कथा, लोक गाथा, लोक संगीत।

इकाई-3

लोकनाट्य: राम लीला, कीर्तनिया, स्वांग, यशगान, भवाई, सपेड़ा,विदेशिया, माच भांड,तमाशा, नौटंकी।

हिंदी लोकनाट्य की परंपरा एवं प्रविधियां, हिंदी नाटक और रंगमंच पर लोकनाट्य का प्रभाव, लोक कथा ,व्रत कथा, परी कथा, नाग कथा।

इकाई-4

लोक गाथा: ढोल मारू, गोपीचंद भरथरी, लोरिकायन नल दमयंती, लैला मजनू, हीर रांझा, सोनी महिवाल ,लोरिक चंदा, बगड़ावत अल्हा हरदौल।

लोक नृत्य- नाट्य ,लोक संगीत ,लोक वार्ता, विशिष्ट लोक धुनें ,लोकभाषा: लोग सुभाषित मुहावरे कहावतें पहेलियां।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. लोक साहित्य विज्ञान- डॉ सत्येंद्र।

2. लोक साहित्य की रूपरेखा -डॉ कृष्ण चंद्र शर्मा।

3. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग- डॉ श्रीराम शर्मा।

4. भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भ- डॉ गोविंद चातक।

5. लोक साहित्य के प्रतिमान- डॉ कुंदन लाल उपरेती।

6. भारतीय लोक साहित्य -डॉ सुरेंश गौतम।

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- लोक नाट्य साहित्य में प्रयुक्तु विविध यंत्रों, दतं कथाओ, लोक गीत व अन्य तत्वो का ज्ञान प्राप्त करना।
CO2-सांस्कृतिक विकास में लोक साहित्य और लोक संस्कृति के महत्व को समझना।
CO3- लोक साहित्य और लोक संस्कृति के महत्व का पता लगाना।
CO4- लोक साहित्य के विविध स्वरूप और क्षेत्रो का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
CO5-लोक साहित्य के विविध क्षेत्र का मूल्यांकन करना।
CO6- विभिन्न लोक साहित्य में निहित लौकिक कथाओ की जांच करना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	2		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	2	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	**Ist internal**	**IInd Internal**	**External (ESE)**
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name –M.A

Course code	**: MHNE- 304**			
Course Name	**: गोस्वामी तुलसीदास (स)**			
Semester /Year	**: तृतीय सेमेस्टर**			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. भक्तिकालीन कवि तुलसीदास की रचनाओं का परिचय देना।

2. छात्रों को तुलसी साहित्य में निहित भक्ति भावना से परिचित कराना।

3. तुलसी की लोक कल्याणकारी भावना का वर्णन करना

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

रामचरित्रमानस- बालकांड,अयोध्याकांड

इकाई-2

तुलसीदास की युगीन पृष्ठभूमि, लोकनायक रूप, तुलसी की भक्ति भावना तथा रामचरित्रमानस ।

इकाई-3

तुलसी और विनयपत्रिका की भक्ति, विनय, दार्शनिकता, काव्य सौष्ठव ।

इकाई-4

तुलसीदास और कवितावली की कथावस्तु, चरित्र विधान, काव्य सौष्ठव ।

संदर्भ ग्रंथ सूची:-

1. लोकवादी तुलसीदास- विश्वनाथ त्रिपाठी।

2. तुलसीदास -रामचंद्र शुक्ल।

3. हिंदी साहित्य का इतिहास- रामस्वरूप चतुर्वेदी।

4. तुलसी साहित्य बदलते प्रतिमान- डॉ चंद्रभान रावत।

5. तुलसीदास- माता प्रसाद गुप्त।

6. तुलसी आधुनिक वार्तायन-रमेश कुंतल

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- तुलसीदास की काव्यगत विशेषतओ और काव्य का ज्ञान।
CO1- सगुण काव्यधारा की दार्शनिक, सांस्कृतिक व साहित्यिक परिस्थितियों को तुलसीदास साहित्य के माध्यम से समझना।
CO3- तुलसी साहित्य के विविध पहलूओं की जांच करना।
CO4- तुलसी साहित्य में निहित नैतिक और समाजिक मूल्यों द्वारा समाज का विश्लेषण करना।
CO5- वर्तमान समय में तुलसी साहित्य की प्रासंगिकता का मूल्यांकन करना।
CO6- तुलसी की विश्व बन्धुत्व की भावना का वर्तमान परिपेक्ष्य में अध्ययन।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	2	2	3	1	1	2	3	1	3	2	1	3	3	2	3
CO2	3	2	3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	1	2	2	1	1	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3	2	3	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	1
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	3	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name- M.A

Course code : MHNC- 305				
Course Name : हिन्दी नाटक और रंगमच				
Semester /Year : तृतीय सेमेस्टर				
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. नाटक एवं नोट रंगमंच का वर्णन करना।

2. छात्रों को आधुनिक युग के नाटक और रंगमंच की पृष्ठभूमि बताना।

3. छात्रों में अभिनय कौशल का विकास करना।

4. नाटक और रंगमंच की समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना।

निर्धारित

पाठ्यक्रम

इकाई-1

हिन्दी नाट्य एवं रंगमंच का विकास एवं रंगमच के विविध रूप

यथार्थबोध एवं भारतेंदु के नाटक

अंधेर नगरीः भारतेंदु हरिशचंद्र

इकाई-2

प्रसाद के नाटको में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना

प्रसाद के नाटकों की अभिनेयता

ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

इकाई-3

मोहन राकेश के नाटकों में आधुनिकताबोध एवं प्रयोग धर्मिता
अंधायुग का नाट्य शिल्प एवं अस्तित्ववाद

लहरों के राजहंस- मोहन राकेश
अंधा युग –धर्मवीर

इकाई-4

हिन्दी एकांकी का समान्य परिचय

कारवाँ- भुवनेश्वर

दीपदान- रामकुमार वर्मा

संदर्भ ग्रंथ-

1 -भारतेंदु हरिशचंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्या- रामविलास शर्मा
2- भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच -पंडित सीताराम चतुर्वेदी
3 - नाटक निबंध- डॉ दशरथ ओझा
4- हिंदी नाटक का शास्त्रीय अध्ययन -डॉ दशरथ ओझा
5- अंधायुग -जयदेव तनेजा
6- रंग मंत्र कला और दृष्टि -गोविंद चातक
7- आधुनिकता के मसीहा -मोहन राकेश, डॉ गोविंद जातक
8-हिन्दी नाटक- बच्चन सिंह

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- नाट्य साहित्य संरचना के विविध क्षेत्रो का ज्ञान प्राप्त करना।
CO2-आधुनिक नाटक साहित्य के सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भों को समझना।
CO3- प्रसाद के नाटको में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना की जांच करना।
CO4- भारतेंदु हरिशचंद्र, प्रसाद और मोहन राकेश के नाटकों का तत्विक विश्लेषण करना।
CO5-हिंदी साहित्य के श्रेष्ठ नाटककार व उसके नाटकों का मूल्यांकन करना।
CO6- नाटक और रंगमंच की अभिनय क्षमता का विकास।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	3	2	3	1	1	3	2	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	1	1	3	1	-	3	3	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	-	-	3	3	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	3	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	3	-	2	3	-	-	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	-	-	3	1	-	1	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	**Ist internal**	**IInd Internal**	**External (ESE)**
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name- M.A

Course code	**: MHNC- 306**			
Course Name	**: दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन**			
Semester /Year	**: तृतीय सेमेस्ट**			
L	**T**	**P**	**C**	
2	**1**	**0**	**3**	

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रों को दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन के विषय में बताना।

2. छात्रों को मीडिया लेखन के विषय में बताना।

3. छात्रों को कार्यालय हिंदी के विभिन्न क्षेत्रों के विषय में बताना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

माध्यमों प्रयोगी लेखन का स्वरूप और प्रकार, हिंदी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास।

रेडियो नाटक की प्रविधि, रंग नाटक ,पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक का अंतर।

इकाई- 2

रेडियोनाटक के प्रमुख भेद- रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फेंटेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक ,(डॉक्यूमेंट्री फीचर)।

इकाई-3

साहित्यिक विधाओं का दृश्य -श्रव्य रूपांतरण करना। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन- संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।

संचार माध्यम द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा ,विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि।

इकाई- 4

संचार माध्यमों की भाषा, हिंदी के समक्ष आधुनिक जन और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियां।

संवाद- लेखन, दृश्य श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, इंटरनेट सामग्री सृजन

संदर्भ ग्रंथ

1 मीडिया लेखन –डा रमेश चंद्र त्रिपाठी

2 पत्र प्रकाशन प्रक्रिया- शिवप्रसाद भारती

3 हिंदी पत्रकारिता की दिशाएं- योगेंद्र सिंह

4 भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन- सूर्य प्रसाद दीक्षित

5 व्यवसायिक हिंदी -भोलानाथ तिवारी

6 टेलीविजन समाचार- शकील हसन हसन समसी

7 जनसंचार हिंदी पत्रिका -अर्जुन तिवारी

दृश्य दूरदर्शन संचार माध्यम- इग्नू नई दिल्ली

जनसंपर्क संचार और विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:

CO1- संचार माध्यमों की भाषा का ज्ञान।

CO2-आधुनिक संचार माध्यमों से संबंधित क्षेत्र को समझना ।
CO3-आधुनिक समाज में संचार माध्यमों के उपयोग और आवश्यकता की जांच करना।
CO4-इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन- संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि का विश्लेषण।
CO5- हिंदी के समक्ष आधुनिक जन और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियां का मूल्यांकन करना।
CO6- दृश्य श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, इंटरनेट सामग्री सृजन का विकास।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	2		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	2	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name- M.A

Course code	**: MHNC- 401**			
Course Name	: प्रयोजनमूलक हिन्दी (मीडिया लेखन एवं अनुवाद)			
Semester /Year	: चर्तुथ सेमेस्टर			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रो को जन-संचार प्रौद्योगिकी से अवगत कराना।

2. छात्रों को दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन के विषय में बताना।

3. छात्रों को मीडिया लेखन के विषय में बताना।

4. छात्रों को कार्यालय हिंदी के विभिन्न क्षेत्रों के विषय में बताना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

मीडिया -लेखन -जन -संचार प्रौद्योगिकी, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप मुद्रण ,दृश्य -श्रव्य, इंटरनेट

श्रव्य माध्यम (रेडियो)मौखिक भाषा की प्रकृति ,समाचार -लेखन एवं वाचन ,रेडियो नाटक, उद्घोषणा विज्ञापन –लेखन

फीचर तथा रिपोर्ताज।

इकाई-2

दृश्य श्रव्य माध्यम(फिल्म टेलीविजन एवं वीडियो)- दृश्य माध्यम में भाषा की

प्रकृति ,दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन ,(वायस ओवर)पटकथा लेखन।

टेली ड्रामा, डॉक्यूड्रामा, संवाद लेखन ,साहित्य के माध्यम से दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा, इंटरनेट सामग्री सृजन।

इकाई- 3

अनुवाद का स्वरूप,क्षेत्र ,प्रक्रिया एवं विधि ,हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।

कार्यालय हिंदी और अनुवाद , जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

इकाई-4

वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक ,तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद, विधि साहित्य की हिंदी और अनुवाद।

कार्यालय अनुवाद -कार्यालय एवं प्रशासनिक शब्दावली ,प्रशासनिक प्रयुक्तियो, पदनाम, विभाग अनुवाद, सारअनुवाद दुभाषी प्रविधि अनुवाद ,परीक्षण और मूल्यांकन।

संदर्भ ग्रंथ

1 अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं प्रविधि- भोलानाथ तिवारी

2 अनुवाद विज्ञान- भोलानाथ तिवारी

3 अनुवाद कला -भोलानाथ तिवारी

4 बैंकों में अनुवाद की समस्याएं- भोलानाथ तिवारी

5 काव्या अनुवाद की समस्याएं- भोलानाथ तिवारी

6 पत्रकारिता में अनुवाद की समस्या -भोलानाथ तिवारी

7 जनसंपर्क संचारी विज्ञान -विजय कुलश्रेष्ठ

8 सूचना प्रौद्योगिकी और जनसंचार माध्यम -डॉ हरिमोहन

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

CO1- प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा का ज्ञान।
CO2- आधुनिक जनसंचार माध्यम की कार्यप्रणाली को समझना।
CO3- अनुवाद के विभिन्न क्षेत्रों, कार्यप्रणाली व अनुवाद की प्रयोजनीयता की जांच करना।
CO4- कार्यालय हिंदी भाषा के क्षेत्र कार्यालय एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियो का विश्लेषण।
CO5- दृश्य श्रव्य माध्यम की भाषा का मूल्यांकन करना।
CO6- साहित्य के माध्यम से दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा, इंटरनेट सामग्री सृजन का पता लगना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	2		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	2	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name- M.A

Course code : MHNC- 402				
Course Name : बांग्ला साहित्य एवं हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन				
Semester /Year : चर्तुथ सेमेस्टर				
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. बांग्ला साहित्य के विषय में छात्रों को बताना।

2. बांग्ला साहित्य की विकास यात्रा का वर्णन करना।

3. बांग्ला साहित्य के हिंदी साहित्य में प्रभाव का विश्लेषण करना।

4. बांग्ला साहित्य की रचनाओ का वर्णन करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

बांग्ला साहित्य का इतिहास-युगीन पृष्ठभूमि, काल विभाजन, नामांकरण सीमा। युग प्रवृतियां कवि रचनाएं और उनकी विशेषताएं।

इकाई-2

बांग्ला साहित्य का आधुनिक काव्य कवि और उनकी रचनाएं एवं विशेषताएं। बांग्ला साहित्य का आधुनिक गद्य (उपन्यास, कहानी, नाटक ,रिपोतार्ज आदि) का उद्भव और विकास तथा विशेषताएं।

इकाई-3

बांग्ला और हिंदी साहित्य के आदिकाल के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन , बांग्ला और हिंदी साहित्य के मध्य काल के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई-4

बांग्ला और हिंदी के आधुनिक साहित्य के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन बांग्ला और हिंदी के गद्य साहित्य (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध आदि) का तुलनात्मक अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ

1 बांग्ला साहित्य दर्शन -मदन नाथ गुप्ता

2 बांग्ला साहित्य की कला -मूल श्री लेखक सुकुमार सेन

3 भारतीय साहित्य -डॉ नागेंद्र

4 भाषा और समाज -रामविलास शर्मा

5 भाषा संस्कृति और समाज -सतीश कुमार मेहरा

6 हिंदी की विश्व यात्रा -डॉ सुरेश रितुपर्णा

7 विश्व में हिंदी- हरी बाबू कंसल

8 हिंदी कल आज और कल -प्रभाकर श्रोत्रिय

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:

CO1- बांग्ला साहित्य के इतिहास व बांग्ला साहित्य की साहित्यिक पृष्ठभूमि का ज्ञान।

CO2- बांग्ला साहित्य की श्रेष्ठ रचनाकारो और रचनाओ के माध्यम से बांग्ला साहित्य को समझना।
CO3- बांग्ला साहित्य व भारतीय साहित्य के अन्तर की जांच करना।
CO4-बांग्ला साहित्य के ज्ञान के आलोक में रचनाओ का विश्लेषण।
CO5-आधुनिक बांग्ला गद्य साहित्य के उदभव और विकास का मूल्यांकन करना।
CO6- बांग्ला साहित्य की रचनाओ के समाज में प्रभाव का पता लगाना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	2	2	1	-	3	2	1	3	3	1	-
CO2	2	1	3	1	1	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	-	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	1	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	2	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	1	1	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	1	-

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name –M.A

Course code	**: MHNC- 403**			
Course Name	: चर्तुथ सेमेस्ट			
Semester /Year	: हिमालयी साहित्य एवं संस्कृति			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. हिमालय क्षेत्र में विकसित साहित्य और संस्कृति से छात्रों को अवगत कराना।
2. हिमालय क्षेत्र के रचनाकारो की हिन्दी साहित्यिक रचनाओ का अध्ययन करना।
3. हिमालय क्षेत्र के रचनाकारो की साहित्यकारों की रचनाओं का विश्लेषण करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

उत्तराखण्य के हिन्दी कवि-

सुमित्रानन्द पंत ,गुमानी,चंद्रकुँवर बर्त्वाल,लीलाधर जगूड़ी,मंगलेश डबराल,वीरेन डंगवाल,हरिशचंद्र पाण्डेय

इकाई-2

उत्तराखण्ड पृष्ठभूमि पर आधारित कथाएं

अन्तिम आवाज -वल्लभ डोभाल

डा. हरिदत्त भट्ट- बर्फ ही बर्फ

हलवाहा-शेखर जोशी

रज्जो- रमाप्रसाद घडियाल

इकाई-3

पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल का जीवन- परिचय

(डॉ बड़थ्वाल के श्रेष्ठ निबंध) स.श्री गोविंद चातक

इकाई- 4

उपन्यासकार

मनोहरश्याम जोशी- कसप

रमेशचंद्र-शगोबर -गणेश

संदर्भ ग्रंथ

1 हिमालय परिचय- राहुल सांकृत्यायन

2 हिमालयन गाथा -सुदर्शन वशिष्ठ

3 राम चरित्र मानस- तुलसीदास

4 चंद्र कुवर काव्य प्रसंग और काव्य संहिता- श्रीकंठ हिमालय

5 गाथा देव परंपरा -सुदर्शन वशिष्ठ

6 हिमालय गाथा पर्व उत्सव -सुदर्शन वशिष्ठ

7 हिमोत्कर्ष- डॉ शिवानंद नौटियाल

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1-हिमालयी क्षेत्र में निवासित लेखको की हिन्दी कविता का ज्ञान ।
CO2-हिमालयी कवियो और साहित्यकारो की विशेष रचनाओं के माध्यम से हिमालयी संस्कृति और सभ्यता को समझना।
CO3- हिमालयी क्षेत्र में निवासित लेखको की प्रमुख उपन्यासों का पता लगाना।
CO4- उत्तराखण्ड पृष्ठभूमि पर आधारित कथाओ का विश्लेषण करना।
CO5- हिमालयी क्षेत्र में निवासित लेखको की प्रमुख उपन्यासों का मूल्यांकन करना।
CO6- हिमालयी साहित्य के अध्ययन द्वारा साहित्य सृजन की प्रेरणा प्राप्त करना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	3	2	3	1	2	2	1	-	3	2	1	3	3	1	3
CO2	2	1	3	1	1	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	2	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	-	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	2	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	2	1	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	1	3

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	20 (Assignment)	20 (Write Exam)	60

Programme Name- M.A

Course code	**: MHNC- 403**			
Course Name	: गढ़वाली लोक साहित्य (अ)			
Semester /Year	: चतुर्थ सेमेस्टर			

	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**6**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रों को गढ़वाली साहित्य की जानकारी देना।

2. छात्रों को गढ़वाली दतं कथाओ से अवगत कराना।

3. छात्रों को गढ़वाली साहित्य से सम्बंधित क्षेत्रो की जानकारी देना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

, गढ़वाली का प्रकाशित लोक साहित्य, साहित्य के संदर्भ में गढ़वाली भाषा का विकास, शब्द संपदा और अर्थ भेद।

इकाई-2

गढ़वाली लोक गाथा- लोक गाथा का अर्थ, लोक गाथा के भेद, गढ़वाली की अलौकिक कथाएं(पवाणा) गढ़वाली की पौराणिक कथाएं (जागर) राधा कृष्ण की गाथाएं पांडव संबंधी गाथाएं।जीतू बगड़वाल की गाथा, तीलू रौतेली की गाथा, माधोसिंह भंडारी की गाथा, जगदेव पंवार की गाथा, रानी लोहागढ़ सोमवार, मालू कालू भंडारी शुरु-शुरु फौज आदि की गाथा।

इकाई- 3

गढ़वाल की अन्य पौराणिक कथाएं कृष्ण संबंधी सिषुवा विधवा, गंगू रमोला की गाथा।

हिंदी गढ़वाली की लोकोक्तियां और पहेलियों का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई -4

गढ़वाली लोक वाद ढोल सारंग, नंदा जात और विवाद लोक साहित्य संकलन में कठिनाइयां ,साहित्य धरोहर का संरक्षण गढ़वाल के प्रसिद्ध लोक साहित्य संकलन कार और लोक साहित्य में उनका योगदान।

संदर्भ ग्रंथ

1 लोक साहित्य विज्ञान- डॉ सत्येंद्र प्रकाशक शिव लाल अग्रवाल

2 गढ़वाल लोकगीत एक सांस्कृतिक अध्ययन- डॉ गोविंद चातक

3 गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य- डॉ हरिnŸk भट्ट शैलेश

4 गढ़वाली के लोकगीत एवं लोक नृत्य- डॉ शिवानंद नौटियाल

5 गढ़वाल और गढ़वाली- चंद्रपाल सिंह रावत और डॉ तिवारी

6 गढ़वाली लोक मानस- डॉ शिवानंद नौटियाल

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- हिमालय क्षेत्र में निवासित कवियों की हिन्दी साहित्य सृजन का ज्ञान।
CO2- हिमालयी लोक साहित्य के स्वरूप को समझना ।

CO3-प्रसिद्ध रचनाकारों की रचना के द्वारा हिमालय भूभाग के जनजीवन व पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जांच करना।
CO4- लोक गाथा, गढ़वाली की पौराणिक कथाओ का विश्लेषण करना।
CO5- गढ़वाली लोक रचनाओं और रचनाकार की रचनाओं का मूल्यांकन करना।
CO6- हिमालय साहित्य के अध्ययन के द्वारा साहित्य रचना की प्रेरणा प्राप्त करना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	2	1	3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	3	1	2	1	2	-	3	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	2	1
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	1	3
CO6	3	3	3	1	-	2	1	2	1	3	1	3	1	3	3

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	20 (Assignment)	20 (Write Exam)	60

Programme Name-M. A

Course code	**: MHNC- 404**			
Course Name	: जनपदीय साहित्य (ब)			
Semester /Year	: चतुर्थ सेमेस्टर			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रो को जनपदीय साहित्य से अवगत कराना।

2. छात्रो को उत्तराखण्ड जनपद के रचनाकारो और रचनाओ से अवगत कराना।

3. जनपदीय साहित्य का विश्लेषण करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

उपन्यास- अक्कलवर को ? - महावीर प्रसाद गैरोला

जोनि पर छापू किले- मोहनलाल नेगी (कहानी संग्रह)

इकाई-2

सदेई- प० तारादत्त गैरोला (प्रारंभ के 20 छन्द)

न्यौली सतसई- स० देव सिंह पोखरियाल (प्रारंभ के 30छन्द)

इकाई-3

क्या गोरी क्या सॉली- निबन्ध संग्रह

इकाई-4

सिंह नाद- भजन सिंह

कुमाऊं का लोक साहित्य - डॉ. कृष्णानंद जोशी (व्याख्या हेतु केवल धार्मिक गीत)

संदर्भ ग्रंथ-

1- गढ़वाल का इतिहास- हरिकृष्ण रतूड़ी

2- गढ़वाल और गढ़वाल- स. चन्द्रपाल सिंह रावत

3- गढ़वाली लोक मानस- डॉ० शिवानंद नौटियाल

4-आर्यो का आदि देश- मध्य हिमालय- भजन सिंह

5- गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य- डॉ. हरिदत्त भट्ट शैलेश

6- मध्य पहाड़ी भाषा का शास्त्रीय अध्ययन- डॉ. गोविन्द चातक

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- गढ़वाली लोक साहित्य के माध्यम से गढ़वाली साहित्य एवं सभ्यता का ज्ञान।
CO2-गढ़वाली लोक साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि और इतिहास को समझना।
CO3- गढ़वाली लोक साहित्य से जुड़ी समस्याओं की जांच करना।

CO4- गढ़वाली लोक साहित्य के प्रमुख रचनाकार और रचनाओ के माध्यम से गढ़वाली लोक साहित्य का विश्लेषण करना।
CO5- गढ़वाली उपन्यास- अक्कलवर को और जोनि पर छापू किले का मूल्यांकन करना।
CO6- कुमाऊं और गढ़वाल के लोक साहित्य द्वारा लोक साहित्य का अध्ययन।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	2		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	2	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name- M.A

Course code : MHNC- 405				
Course Name : पत्रकारिता प्रशिक्षण				
Semester /Year : चतुर्थ सेमेस्टर				
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. पत्रकारिता प्रशिक्षण के विषय में छात्रों को बताना।

2. पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्रों से छात्रों को अवगत करना।

3. भारतीय पत्रकारिता के विषय में छात्रों को बताना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

पत्रकारिता का स्वरूप और प्रकार हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास ।

समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व- समाचार संकलन ,लेखन के प्रमुख आयाम,आमुख, शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख्य ,समाचार की प्रस्तुति प्रक्रिया।

इकाई-2

दृश्य सामग्री (कार्टून ,रेखा चित्र) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता, समाचार के विभिन्न स्रोत ,संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति।

पत्रकारिता से संबंधित लेखन-संपादकीय फीचर रिपोर्ताज, खोजी समाचार, आदि की प्रविधि।

इकाई- 3

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता- रेडियो, टी०वी०, केबल वीडियो मल्टीमीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता।

प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण, कला, प्रूफ शोधन, लेआउट ,पृष्ठ सज्जा।

इकाई- 4

पत्रकारिता- प्रबंधन ,प्रशासनिक व्यवस्था ,बिक्री, वितरण व्यवस्था, सूचना अधिकार ,मानवाधिकार।

मुक्त प्रेस की अवधारणा, विज्ञापन प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रेस संबंधी कानून तथा आचार संहिता ,चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

संदर्भ ग्रंथ

1 हिंदी पत्रकारिता की दिशाएं -जोगेंद्र सिंह

2 रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता - डॉ हरिमोहन

3 टेलीविजन और दूरदर्शन पत्रकारिता- शकील हसन शमशी

4 मीडिया लेखन- डॉ रमेश चंद्र त्रिपाठी

5 समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला - डॉ हरिमोहन

6 हिंदी पत्रकारिता- डॉ कृष्ण बिहारी मिश्र

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं का ज्ञान प्राप्त करना।
CO2- पत्रकारिता प्रबंध तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता व प्रिंट पत्रकारिता को समझना।
CO3-संपादकीय फीचर रिपोर्ताज, खोजी समाचार, आदि की प्रविधि का पता लगाना।
CO4- प्रेस संबंधी कानून और चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता के दायित्व का विश्लेषण करना।
CO5- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता का मूल्यांकन करना।
CO6- प्रसार भारती, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की कार्यप्रणाली की प्रविधि को जनना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	-	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	3		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	1	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	-	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	2
CO5	2	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	-
CO6	3	-	3	3	2	2	1	-	1	3	1	3	1	2	1

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	20 (Assignment)	20 (Write Exam)	60

Programme Name- M.A

Course code	**: MHNE-406**			
Course Name	**:** शोध - प्रविधि(अ)			
Semester /Year	**:** चतुर्थ सेमेस्टर			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. शोध- प्रवृत्ति से छात्रों को अवगत कराना।

2. छात्रों को विभिन्न शोध विधियों का वर्णन करना।

3. छात्रों के मध्य शोध कार्य को बढ़ावा देना।

4.छात्र में शोध के प्रति रुचि जागृत करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

शोध प्रविधि- स्वरूप परिचय

शोध से अभिप्राय- स्वरूप एवं विशेषताएं

हिंदी में शोध का आरंभ

इकाई-2

शोध के क्षेत्र

शोध के प्रकार

साहित्यिक शोध की विशेषताएं

इकाई-3

शोध और विषय चयन

शोध और तथ्य विश्लेषण

शोध और निष्कर्ष

इकाई-4

शोध संबंधी समस्याएं

एक अच्छे शोधार्थी के गुण

हिंदी में शोध की दशा और दिशा

संदर्भ ग्रंथ-

1- अनुसंधान का स्वरूप सावित्री सिन्हा

2- अनुसंधान की प्रक्रिया सावित्री सिन्हा, विजयेंद्र स्नातक

3- शोध प्रविधि- विनय मोहन शर्मा

4- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका- मैनेजर पांडे

5- राइटिंग इन सोसाइटी- रेमंड विलियम्स

6- संरचनात्मक शैली विज्ञान रविंद्र नाथ श्रीवास्तव

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1-शोध प्रबंध के विविध क्षेत्रो का ज्ञान।।
CO2-शोध प्रबंध लेखन की कार्यप्रणाली को समझना।
CO3- किसी हिंदी में शोध की दशा और दिशा का पता लगाना।
CO4-हिन्दी साहित्य की विविध विधा की ओर सर्जक, समीक्षा, अनुवादक एवं शोध की दृष्टि से विश्लेषण करना।
CO5- शोध के विविध स्वरूपों का मूल्यांकन करना।
CO6- शोध में विषय चयन के महत्व का अध्यय करना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	3	2	3	1	1	2	3	3	3	2	1	3	3	2	3
CO2	3		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	1	2
CO3	1	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	-	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	2
CO5	2	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	-
CO6	2	-	3	3	2	2	1	-	1	3	1	3	1	2	1

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	20 (Assignment)	20 (Write Exam)	60

Programme Name- M.A

Course code	**: MHNE- 406**			
Course Name	: लघु शोध प्रंबध (ब)			
Semester /Year	: चतुर्थ सेमेस्टर			
	L	**T**	**P**	**C**
	2	**1**	**0**	**3**

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रों को विभिन्न शोध विधियों का वर्णन करना।

2. छात्रों के मध्य शोध कार्य को बढ़ावा देना।

3. हिन्दी साहित्य पर लघु शोध प्रबंध का निर्माण करना।

निर्देश-

शोध प्रविधि की जानकारी देने के लिए पाठ्यक्रम में लघु शोध ग्रंथ वैकल्पिक रूप में रखा

1 लघु शोध प्रबंध का विकल्प वही विद्यार्थी ले सकते हैं जिन्होंने प्रथम दो समस्याओं में 55% अंक या अधिक अंक प्राप्त किए हो।

2 लघु शोध ग्रंथ का विषय विद्यार्थी द्वारा विभागाध्यक्ष या वरिष्ठ शिक्षक परामर्श के पश्चात लिया जाएगा।

3 शोध प्रबंध का निरीक्षण **ckgkz** शिक्षक के साथ संयुक्त रूप से किया जाएगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

साहित्य के किसी भी विषय पर लघुशोध किया जा सकता है इसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा

1 नियत कालीन प्रस्तुति=20अंक

2 लघु शोध मूल्यांकन =40 अंक

3 मौखिकी=20अंक

Course outcomes (COs):
Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1-शोध प्रबंध की प्रविधि का ज्ञान।
CO2- लघु शोध ग्रंथ के विषय को समझना।
CO3-अपने विषय के अनुसार साहित्य की जांच करना।
CO4- लघु शोध ग्रंथ के विषय सामग्री का विश्लेषण करना।
CO5- लघु शोध ग्रंथ का मूल्यांकन करना।
CO6- लघु शोध प्रबंध का निर्माण करना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO 10	PSO 4	PSO 5	PSO 6
CO1	3	3	3	-	3	3	3	3	3	-	3	3	3
CO2	3	1	3	3	3	3	-	2	3	2	3	3	-
CO3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3	3	3
CO4	3	3	3	3	3	3	-	-	3	3	3	3	3

CO5													
CO6													

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	**Ist internal**	**IInd Internal**	**External (ESE)**
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name-M.A

Course code	**: MHNE-406**
Course Name	**:** दलित विर्मश(स)
Semester /Year	**:** चतुर्थ सेमेस्टर

	L	T	P	C
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1. छात्रों को दलित साहित्य का परिचय देना।

2. छात्रों को दलित साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।

3. दलित साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन कराना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

दलित साहित्यः अवधारणा और स्वरुप

दलित साहित्यःउद्भव और विकास

इकाई-2

भारत में दलित आंदोलन और उनके प्रेरणास्त्रोत

दलित साहित्य का उदभव और विकास

इकाई- 3

दलित साहित्य का अभिव्यक्ति पक्ष और कला पक्ष

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

इकाई-4

दलित साहित्य में अभिव्यक्त भारतीय समाज

हिन्दी दलित साहित्य की प्रमुख रचनाओ का परिचय

संदर्भ ग्रंथ

1 -दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र ओम प्रकाश-

2 - दलित साहित्य का समाजशात्र- हरिनाराण ठाकुर

3 – दलित साहित्य चिंतन की परंपरा- -श्योराज सिंह बेचैन और देवेन्द्र

4 – भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य-पुन्नी सिंह

5 – जूठनओम प्रकाश वाल्मीकि) आत्मकथा (

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1- दलित विमर्श एवं साहित्य का ज्ञान ।
CO2- भारत में दलित आंदोलन और उनके प्रेरणास्त्रोत को समझना।
CO3- हिन्दी साहित्य में दलित साहित्य के योगदान की जांच करना।
CO4- दलित साहित्य के उदभव और विकास का विश्लेषण करना।
CO5- दलित साहित्य का अभिव्यक्ति पक्ष और कला पक्ष का मूल्यांकन करना।
CO6- दलित साहित्य के सौंदर्यशास्त्र का पता लगाना।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	2		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	2	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Write Exam)**	**60**

Programme Name- M.A

Course code	**: MHNS-407**
Course Name	**: हिन्दी भाषा**
Semester /Year	**: IV**

	L	T	P	C
	2	1	0	3

L - Lecture T – Tutorial P – Practical C – Credit

Course Objectives: The objectives of this course are

1- हिंदी भाषा शिक्षण की सामान्य जानकारी विकसित करना।

2- राष्ट्रभाषा राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।

3- हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

4- भाषा शिक्षण के क्षेत्र में छात्रों को रोजगार के लिए प्रेरित करना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई-1

भाषा शिक्षण के सन्दर्भ: राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक

भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं

प्रथम भाषा / मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना

अन्य भाषा के अन्तर्गत द्वितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना

मातृभाषा, दितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर

सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

इकाई-2

भाषा शिक्षण की विधियां: भाषा कौशल - श्रवण,भाषण,वाचन,लेखन

भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण: भाषा कौशल के विकास की तकनीक और अभ्यास

अन्य भाषा- शिक्षण की प्रमुख विधियां: व्याकरण-अनुवाद-विधि, प्रत्यक्ष विधि, मौखिक वार्तालाप विधि, संरचनात्मक विधि, द्विभाषिक शिक्षण विधि।

इकाई-3

हिन्दी शिक्षण: हिन्दी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण (स्कूली, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट शिक्षा)

दितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में हिन्दी शिक्षण

विदेशी भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण

इकाई-4

भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

भाषा परीक्षण और मूल्यांकन की संकल्पना

भाषा परिक्षण के प्रकार

मूल्यांकन के प्रकार

पाठय पुस्तक(Text Book)

1-हिन्दी भाषा शिक्षण-रीता चौहान

2- भाषा शिक्षण- डॉ रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

सन्दर्भ ग्रंथ (Reference Books)

1- भाषा शिक्षण- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

2- भाषा-शिक्षण तथा भाषा विज्ञान- सम्पादक ब्रजेश्वर वर्मा

3- हिन्दी भाषा शिक्षण- भोलानाथ तिवारी

4- हिन्दी भाषा विज्ञान- रामदेव त्रिपाठी

5- सम्प्रेषण- परकव्याकरण: सिद्धांत और स्वरूप- सुरेश कुमार

6-भाषाई अस्मिता और हिन्दी- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

7- हिंदी भाषा का उद्भगम और विकास- उदय नारायण तिवारी

8- हिन्दी व्याकरण- कामता प्रसाद

Course outcomes (COs):

Upon successful completion of the course a student will be able to

Course Outcome:
CO1-भाषा के विविध रूपों और बोलियों का ज्ञान।
CO2- भाषा शिक्षण की विधियां: भाषा कौशल - श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन को समझना।
CO3- भाषा कौशल के विकास की तकनीक और अभ्यास का पता लगाना।
CO4-हिन्दी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण का स्कूली, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट शिक्षा के रुप में विश्लेषण करना।
CO5- भाषा परिक्षण के प्रकार का मूल्यांकन करना।

CO6- दितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में हिन्दी शिक्षण का अध्ययन।

CO-PO and PSO Mapping

Course	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12	PSO 1	PSO 3	PSO 5
CO1	1	2	3	1	1	2	3	-	3	2	1	3	3	2	2
CO2	2		3	1	-	3	2	2	1	3	2	2	3	-	2
CO3	3	-	1	-	-	2	-	-	1	-	1	3	3	3	3
CO4	2	3		-	3	2	1	1	2	1	3	1	3	-	-
CO5	1	-	2	3	-	3	2	3	3		2	1	-	3	3
CO6	2	-	3	1	-	2	1	-	1	3	1	3	1	2	2

3: Highest Correlated, 2: Medium Correlated, 1: Lowest Correlated

Examination Scheme:

Components	Ist internal	IInd Internal	External (ESE)
Weightage (%)	**20 (Assignment)**	**20 (Writen Exam)**	**60**